

1510
2/12

आज यह पत्रा.पेश हुई। वाहीगण व इनके वहील
की इपास्थित नहीं हैं। वाहीगण व इनके वहील
की बार-बार आवाज लगवाई गई परन्तु की इ
भी इपास्थित नहीं आये। वाहीगण की इपास्थित
हजरी व इपास्थित परी वखुबी आती है।
इतः वाहीगण का यह वाह-पत्र इपास्थित हजरी
व इपास्थित परी में खासिय किया जाता है।
पत्रा. मम्बर से कम होकर वाह आवश्यक
पुत्री काखिल दफतर है।

उपखण्ड अधिकारी

बहरोड़ (कोटपतली-बहरोड़)